न्यूज डायरी

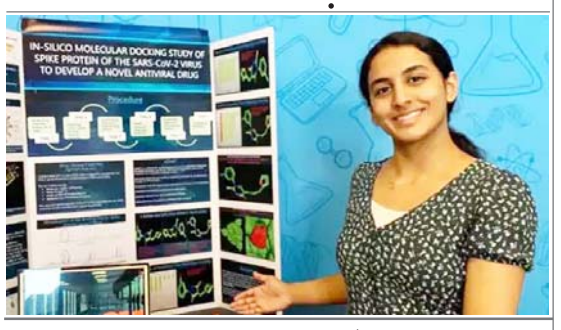

भारतीय मूल की अनिका ने जीता 25 हजार डॉलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ह्यूस्टन। भारतीय मूल की अमेरिकी किशोरी ने एक अनोखी खोज के लिए 25,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम जीता है। यह खोज कोविड–19 का एक संभावित इलाज प्रदान कर सकती है। अनिका चेबरोलू (14) को यह राशि 3एम यंग साइंटिस्ट चौलेंज' में शीर्ष 10 में आने के लिए मिली है। यह अमेरिका की एक प्रमुख माध्यमिक विद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता है। 3एम मिनेसोटा स्थित एक अमेरिकी मास्क निर्माता कंपनी है। '3ड चौलेंज वेबसाइट' के अनुसार पिछले साल एक गंभीर 'इन्फ्लूएंजा' संक्रमण से जूझने के बाद चेबरोलू ने यंग साइंटिस्ट चौलेंज में हिस्सा लेने का फैसला किया। वह 'इन्फ्लूएंजा' का इलाज खोजना चाहती थी। कोविड–19 के बाद सब बदल गया और सार्स–सीओवी–2 संक्रमण पर ध्यान केन्द्रित किया। अनिका को इनामी राशि के साथ ही '3एम' की विशेष मेंटरशीप भी मिली है। चेबरोलू ने कहा, 'मैं अमेरिका के शीर्ष युवा वैज्ञानिकों की सूची में शामिल होकर खुश हूं।' कहीं ज्यादा है।

भारत के वादे के बाद भी चीनी सेना को नहीं हो रहा भरोसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख के चुमार–डेमचोक इलाके में पकड़े गए चीनी सैनिक को भारत के वापसी के ऐलान के बाद भी चीनी सेना को विश्वास होता नहीं दिख रहा है। चीनी सेना ने कहा है कि हमें आशा है कि भारतीय पक्ष अपने वादे पर कायम रहेगा और जल्द से जल्द लापता चीनी सैनिक को वापस कर देगी। चीनी सेना ने दावा किया कि उनका एक सैनिक चरवाहे की याक ढूंढने में मदद करते हुए रात को खो गया था। चीनी सेना के प्रवक्ता सीनियर कर्नल झांग शुइली ने कहा कि एलएसी पर पीएलए के सैनिकों ने इस घटना के तत्काल बाद भारतीय सेना को बता दिया था और आशा जताई थी कि भारतीय पक्ष जवान को तलाश करने और समय से उसे लौटाने में मदद करेगा। शुइली ने कहा, हमें आशा है भारतीय पक्ष अपने वादे पर कायम रहेगा और लापता चीनी सैनिक को जल्द से जल्द वापस कर देगा और सातवें दौर की बातचीत के बाद बनी सहमति का लागू करेगा ताकि सीमाई इलाके में शांति और व्यवस्था बनी रहे।

अमेरिका में तेज होती जा रही राष्ट्रपति चुनाव की रेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप का कैंपेन प्रेसिडेंशल डिबेट कमिशन पर ही भड़क गया। डिबेट के मुद्दों और नियमों में बदलाव को लेकर ट्रंप खेमे ने कमिशन पर निशाना साधा है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने में कुछ ही हफ्ते बचे हैं और अभी डेमोक्रैटिक कैंडिडेट जो बाइडेन से ट्रंप की आखिरी डिबेट बाकी है। इससे पहले होने वाली डिबेट ट्रंप के कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से वर्चुअली कराई जानी थी लेकिन ट्रंप ने उसका बहिष्कार कर दिया। अब करीब दो पन्ने के खत में ट्रंप के कैंपेन मैनेजर बिल स्टेपियन ने 22 अक्टूबर को होने वाली डिबेट को लेकर आरोप लगाया है कि कमिशन बाइडेन को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से डिबेट सीजन फेल हो गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नेपाल ने दिया झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नेपाल ने करारा झटका दिया है। करीब 23 के साल के बाद ठीक इसी समय वर्ष 2019 में नेपाल का दौरा करने वाले चीनी राष्ट्रपति ने काठमांडू में नेपाल के साथ अपने ड्रीम प्रॉजेक्ट बेल्ट एंड रोड परियोजना पर हस्ताक्षर किया था। एक साल बीत जाने के बाद भी दोनों ही देशों के बीच में इन परियोजनाओं को लागू करने पर कोई खास काम नहीं हो पाया है। नेपाल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2015 में भारत के नाकाबंदी करने के बाद नेपाल सरकार ने अपने व्यापार को चीन के साथ बढ़ाने का फैसला किया था। हालांकि इतने साल बीत जाने के बाद भी अभी तक उसने चीन के साथ व्यापार बढ़ाने में कोई खास रुचि नहीं दिखाई है। हालत यह है कि चीन को जोड़ने वाला एकमात्र रासुवागाड़ी–काठमांडू हाइवे अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने कश्मीर के लिए रची साजिश

खुलासा

जम्मू–कश्मीर में भारतीय सेना के जोरदार सफाई अभियान से पाकिस्तानी सेना प्रमुख बौखलाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। जम्मू–कश्मीर में भारतीय सेना के जोरदार सफाई अभियान से बौखलाए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को तेज करने के लिए नया खतरनाक प्लान तैयार किया है। इस संबंध में बाजवा ने जम्मू–कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठनों जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा, हिज्बुल मुजाहिद्दीन और तालिबान के शीर्ष कमांडरों के साथ गुप्त बैठकें भी की हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जैश–ए–मोहम्मद का कमांडर मुफ्ती मोहम्मद असगर खान कश्मीरी भी इस बैठक में मौजूद था जो जम्मू–कश्मीर में आतंकी गतिविधियों का समन्वय कर रहा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तानी सेना के जनरलों ने सभी आतंकी संगठनों के बीच बैठक कराई है ताकि उनके बीच एकजुटता बन सके। इस एकजुटता का मकसद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से भारतीय सेना पर हमले तेज करना है।

दरअसल, भारत के आर्टिकल 370 के खत्म करने और जम्मू–कश्मीर को संघशासित प्रदेश का दर्जा देने के बाद पाकिस्तानी सेना बौखलाई हुई है। भारतीय खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों की ओर से तैयार किए गए डोजियर में कहा गया है कि जैश, लश्कर, तालिबान और हिज्बुल के कमांडरों के साथ कई बैठकें हुई हैं। इस संबंध में पहली बैठक 27 दिसंबर को हुई थी। इसमें लश्कर के संस्थापक संगठन जमात उद दावा के महासचिव आमिर हमला ने जैश के कमांडरों के साथ बहालपुर में बैठक की थी ताकि दोनों मिलकर एक साथ भारत के खिलाफ अभियान तेज कर सके।

लश्कर का कमांडर जकिउर रहमान लखवी हुआ शामिलः इसके बाद 3 से 8 जनवरी और 19 जनवरी को इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के अधिकारियों के साथ बैठकें हुईं। इन बैठकों में वैश्विक स्तर पर आतंकी संगठन घोषित किए गए समूहों के कमांडर भी शामिल हुए। इसमें जैश का अघोषित प्रमुख मुफ्ती रऊफ असगर, जैश चीफ मसूद अजहर का भाई मौलाना अम्मार, लश्कर का कमांडर जकिउर रहमान लखवी और आमित हमजा शामिल हुए थे।

इस बैठक में एकजुटता बनने के बाद मुफ्ती असगर ने लश्कर के कमांडरों से मुलाकात की ताकि कश्मीर में उनके नापाक मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। इन आतंकी संगठनों में हथियारों को आपस में साझा करने और छिपे हुए समर्थकों की मदद करने पर सहमति बनी। इन गुटों में सहमति बनी है कि अब हिज्बुल कश्मीर में सभी हमलों की जिम्मेदारी लेगा। जैश के कमांडर तालिबान के साथ संपर्क में हैं ताकि काबुल में आतंकियों की सरकार बनने के बाद उसके आतंकवादियों को कश्मीर में भेजा जा सके।

कासिम सुलेमानी की हत्या का जल्द लेंगे बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव लगातार गहराता जा रहा है। अब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स फनके Force के डिप्टी कमांडर मोहम्मद रजा फलाहजादेह ने अमेरिका को खुलेआम धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि हम जल्द ही अमेरिका से अपने कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी के मौत का बदला लेंगे। ईरानी सेना के इस उच्च अधिकारी ने कहा कि ईरानी कमांडरों और सैनिकों की हत्या तेहरान को पीछे हटने या अपने लक्ष्यों को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करेगी।

ईरानी सैन्य अधिकारी रजा फलाहजादेह का बयान उनके सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खमनेई के बयान से मेल खाता है। जिन्होंने पहले ही ऐलान किया हुआ है कि ईरान यह कभी नहीं भूलेगा कि अमेरिका ने कासिम सुलेमानी की हत्या की है। तेहरान निश्चित रूप से अमेरिका के इस आघात से निपटेगा।

तो अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाएगा ईरान? अमेरिकी मीडिया पोलिटिको ने एक अनाम खुफिया स्रोत का हवाला देते हुए बताया था कि तेहरान शीर्ष ईरानी जनरल कासिम सोलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए विकल्पों पर गौर कर रहा है।

चीन से जंग की तैयारी में जुटी ताइवानी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइवान। दक्षिण चीन सागर में चीनी ड्रैगन के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए ताइवान की वायुसेना ने जंग की तैयारी तेज कर दी है। ताइवान की एयरफोर्स ने सोमवार को अपना वार्षिक हवाई युद्धाभ्यास शुरू कर दिया। इस दौरान ताइवान के एयर डिफेंस सिस्टम को किसी भी हमले से निपटने के लिए परखा गया। ताइवान की वायुसेना ने कहा कि 35 एमएम की तोपों ने दुश्मन के लड़ाकू विमानों को आकाश में बर्बाद करने के लिए जमकर गोले दागे। चीन से लगातार हो रहे हवाई अतिक्रमण के बीच ताइवान की वायुसेना ने कहा कि वह अपने एयरस्पेस की रक्षा करने के लिए तैयार है।

किम जोंग उन की जेल में मौत की भीख मांगते हैं कैदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जेल में कैदियों के साथ पशुओं से भी खराब व्यवहार

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी जेलों में क्रूरता की सारी हदें पार कर दी हैं। एक मानवाधिकार समूह ने खुलासा किया है कि किम जोंग उन का प्रशासन सुनवाई से पूर्व बंदियों को रखने के लिए बनाई गई जेल में कैदियों के साथ पशुओं से भी खराब व्यवहार करता है। एक बंदी को तो 16 घंटे तक पैर मोड़कर बैठे रहने के लिए बाध्य किया गया। एक पूर्व बंदी ने बताया कि महिला कैदियों के साथ जेल में रेप भी हो जाता है। अमेरिका स्थित संस्था ह्यूमन राइट वॉच ने उत्तर कोरिया की जेलों में बंद रहे कई लोगों से किए साक्षात्कार के आधार पर वहां की जेलों में अमानवीय व्यवहार और घटिया सुविधाओं का खुलासा किया। इन बंदियों ने बताया कि जेलों के अंदर बंदियों को जमकर प्रताड़ध्ति किया जाता है। बता दें कि परमाणु हथियारों से लैस नॉर्थ कोरिया ने खुद को दुनिया से काट रखा है जिससे उसके आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में बाहरी दुनिया को बहुत कम पता है।

पैर मोड़कर खड़े रहने के लिए बाध्य किया जाता हैः एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रायल से पहले हिरासत में रखे गए कैदियों को डंडे से जमकर पीटा जाता है। उन्होंने कहा कि नियम कहते हैं कि ऐसे कैदियों की पिटाई नहीं करनी है लेकिन हमें शुरुआती जांच के दौरान उसकी स्वीकारोक्ति चाहिए होती है। पूर्व कैदियों ने बताया कि उन्हें फर्स पर लगातार बैठे रहने, झुकने या फिर पैर मोड़कर खड़े रहने के लिए बाध्य किया जाता है।

कैदियों को हाथों, डंडे और चमड़े की बेल्ट से पीटा जाता है। कई बार उन्हें जेल के मैदान के 1000 चक्कर लगाने के लिए सजा दी जाती है। पूर्व कैदी पार्क जी चेओल ने कहा क अगर कोई कैदी बिना अनुमति के अपने सेल के अंदर चला जाता है तो उसके हाथ बांधकर अन्य कैदियों से उसके ऊपर से चलने के लिए कहा जाता है।

चीफ साइंटिस्ट ने जताई आशंका, वैक्सीन से नहीं रुकेगा कोरोना, फैलती रहेगी बीमारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। एक ओर जहां दुनियाभर में करीब 150 कोरोना वायरस वैक्सीनों पर काम हो रहा है, टॉप एक्सपर्ट ने इससे जुड़े उम्मीदों को झटका दे दिया है। ब्रिटेन के चीफ साइंटिफिक अडवाइजर सर पैट्रिक वॉलेस का कहना है कि वैक्सीन से कोरोना वायरस को रोका नहीं जा सकता है। उनका कहना है कि वैक्सीन अगले साल मार्च से पहले नहीं मिलेगी। वॉलेस का कहना है कि आज तक सिर्फ चिकनपॉक्स ही ऐसी बीमारी रही है जिसे मिटाया जा सका है।

वॉलेस का कहना है कि कोरोना वायरस का इलाज मौसमी बुखार की तरह हो सकता है। उन्होंने कहा है कि वैक्सीन रिसर्च पहले से काफी बेहतर हो चुकी है लेकिन अभी ऐसी वैक्सीन तैयार करना जो बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच सके, मुश्किल है। पैट्रिक ने यह जानकारी संसदीय समिति को दी है। उन्होंने कहा कि इसकी संभावना कम है कि ऐसी वैक्सीन मिल सके जो इन्फेक्शन को पूरी तरह रोक सके।